Ar – चरवाहे और स्वर्ग दूत लुका २:८-२० | 1

– Save This Page as a PDF–

चरवाहे और स्वर्ग दूत

लुका २:८-२०

खोदाई: यहोवा के दूत के साथ चरवाहों का अनुभव जकर्याह (लूका १:११-२०) की तुलना में कैसा है? और मरियम (लूका १:२६-२८)? जितने लोगों पर यहोवा का दूत जा सकता था, उन सब में से परमेश्वर ने उसे चरवाहों के पास क्यों भेजा? मरियम ने इस सबका क्या जवाब दिया?

प्रतिबिंब: यहोवा जकरिअह, मरियम और चरवाहों को तब दिखाई दिया, जब वे सिर्फ स्वयं थे और अपना काम कर रहे थे। आध्यात्मिक होने का क्या मतलब है, इसके बारे में इसका क्या मतलब है? जीवन के सामान्य प्रवाह में परमेश्वर ने आपसे कैसे बात की है? चरवाहों को उनके समय के धार्मिक अभिजात वर्ग द्वारा स्वीकार नहीं किया गया था। आपने उन लोगों को शामिल करने के लिए क्या किया है जिन्हें आज सामाजिक बहिष्कृत माना जा सकता है?

चरवाहे अपने समय के सामाजिक बहिष्कार थे, एक आवश्यक लेकिन बहिष्कृत जाति जिसके बिना मंदिर कार्य नहीं कर सकता था। जबकि वे आनुष्ठानिक बलिदान के लिए आवश्यक जानवरों की देखभाल करते थे, कर्तव्यनिष्ठ यहूदी – हमेशा पवित्रता के साथ संबंध रखते थे – चरवाहों को अन्य उपासकों के बीच खड़े होने के लिए बहुत अशुद्ध मानते थे। उनके बारे में रोमांटिक करने के लिए कुछ भी नहीं था। आम तौर पर, वे फरीसियों के मानकों के अनुसार बेईमान और अशुद्ध थे, क्योंकि वे खाने से पहले अपने हाथों को औपचारिक रूप से धोने से संबंधित मौखिक नियमों (Fs देखें – आपके चेले बड़ों की परंपरा को क्यों तोड़ते हैं?) का पालन करने में असमर्थ थे। उन्हें अपवित्र माना जाता था। एक परिष्कृत कंट्री क्लब के दरवाजे पर एक गंदे प्रवासी कार्यकर्ता के स्वागत की कल्पना करें, और आप महसूस करेंगे कि यहूदी समाज में चरवाहे का स्थान क्या है। वे ठीक उसी तरह के बहिष्कृत और पापी थे जिन्हें बचाने के लिए मसीहा आया था।

और वहाँ पास के खेतों में यहूदी चरवाहे रहते थे। चरवाहे आमतौर पर मार्च से दिसंबर तक अपने भेड़-बकरियों के साथ खेतों में जाते थे। ऐसे लोग हैं जो क्रिसमस के लिए दिसंबर की तारीख के खिलाफ यह कहते हुए बहस करते हैं कि उस महीने में रात में भेड़-बकरियों को देखने के लिए मैदान में चरवाहे नहीं होंगे। हालाँकि, दिसंबर के दौरान इज़राइल में बहुत सारे चरवाहे मैदान में हैं। यह २५ दिसंबर की तारीख के पक्ष में बहस करने के लिए नहीं है। जहाँ तक बाइबल के अभिलेखों का संबंध है,

Ar – चरवाहे और स्वर्ग दूत लुका २:८-२० | 2

सकारात्मक रूप से यह निर्धारित करने का कोई तरीका नहीं है कि येशु का जन्म वर्ष के किस समय हुआ था।

वे रात के समय अपने झुण्ड की रखवाली कर रहे थे (लूका 2:8)। नीचे घाटी में, भेड़ें ठण्ड से ठिठुर रही थीं। संभावना से अधिक, चरवाहे अपनी भेड़ों की रखवाली करते हुए जागते रहने की कोशिश कर रहे थे। भेड़-बकरियाँ दिन भर यहूदिया के घास के मैदानों में इधर-उधर भटकती रहीं। बेतलेहेम के निकट, यरूशलेम के मार्ग पर, एक मीनार थी जिसे मिग्दल एदेर या झुण्ड की चौकी के नाम से जाना जाता था। यह वह स्टेशन था जहां चरवाहे मंदिर में बलि के लिए भेजी गई भेड़ों को देखते थे। बलिदान के रूप में चढ़ाए जाने के लिए नियत किया गया था जो क्रूस पर यीशु हा-मेशियाक के बलिदान को चित्रित करता था।



कुछ शायद ऊँघ रहे थे, कुछ देख रहे थे, जब रात का आकाश
अप्रत्याशित रूप से अलग हो गया था। स्वर्ग और पृथ्वी विलीन होने लगे जब अचानक यहोवा का एक दूत उनके सामने प्रकट हुआ, और यहोवा की शचीनाह महिमा, उसकी उपस्थिति की दृश्य अभिव्यक्ति, उनके चारों ओर चमक उठी। वह दिन से भी अधिक उजियाला था, और दोपहर के सूर्य के समान अधिक था, और सोए हुए चरवाहे जाग उठे, और डर के मारे अपक्की आंखें अपके अंगरखे की तह में छिपा लीं, क्योंकि वे डर गए थे (लूका २:९)। यह भांपते हुए, शायद उनकी भेड़ें हलकों में दौड़ने लगी होंगी क्योंकि वे भी डरी हुई थीं।

यह यहूदी चरवाहों के लिए यहूदी राजा के जन्म की घोषणा थी। इज़ेकिएल के दिनों से पहली बार (इज़ेकिएल १०:३-५, १८-१९, २३), शकीना की महिमा दिखाई दी। पाँच सौ से अधिक वर्षों से इस्राएल राष्ट्र अपने लोगों के बीच परमेश्वर की उपस्थिति के उस दृश्य चिह्न से रहित था। और अब शकीना की महिमा जिसके लिये इस्राएली बाट जोहते थे, वह मैदान के चरवाहों पर प्रगट हुई, न कि मन्दिर के याजकों पर। वास्तव में, पिछले [होंगे] पहले होंगे, और पहले [होंगे] पिछले होंगे (मत्ती २०:१६)।

Ar – चरवाहे और स्वर्ग दूत लुका २:८-२० | 3

लेकिन उनकी घबराई हुई नसों को शांत करने की कोशिश करते हुए, देवदूत ने उनसे कहा: डरो मत। मैं तुम्हें सुसमाचार सुनाता हूं जिससे सब लोगों को बड़ा आनन्द होगा (लूका २:१०)। संपूर्ण लूका में, आनन्द को अक्सर उद्धार के साथ जोड़ा जाता है। अच्छी खबर? इससे कोई भी यहूदी अपनी आँखें खोलेगा और उन्हें आसमान की ओर उठाएगा। वे सदियों से यहोवा के न्याय और प्रतिशोध से डरते थे। उन्होंने सभी विभिन्न अनुष्ठानों के संबंध में सावधानी से पूजा की थी, इस डर से कि कहीं वह उनसे नाराज न हो जाए। और अब – सुसमाचार या अच्छी खबर?

उन्होंने उम्मीद से ऊपर देखा और देवदूत फिर बोला। उसकी आवाज से मानो पूरी घाटी गूँज उठी हो। आज दाऊद के नगर में तुम्हारे लिए एक उद्धारकर्ता का जन्म हुआ है (लूका २:११a)। यूनानी नई वाचा उद्धारकर्ता के लिए सोटर का उपयोग करती है, जो इब्रानी शब्द मोशिया के अनुरूप है, जो होशिया शब्द का दूसरा रूप है और येशु के अपने नाम से संबंधित है (मत्ती १:२१)। नई वाचा सोटर का २४ बार और संबंधित क्रिया सोज़ो का उपयोग 44 बार बचाने के लिए करती है। लेकिन इसका उपयोग ब TaNKh में पहले से ही स्थापित नींव पर ilds। इसलिए, जब यह सवाल उठता है कि क्या किसी को बचाया गया है, तो इसकी जड़ें तानाख के साथ-साथ ब्रित चादाशाह में भी हैं (Bv देखें – यीशु निकोडेमस को सिखाता है)।

वह मसीहा, प्रभु है (लूका २:११b)। उद्धारकर्ता के रूप में यीशु की भूमिका मसीहा और प्रभु की उपाधि से योग्य है। यह आयत हमें सुसमाचार के संदेश का एक संक्षिप्त सारांश देती है और लूका २:११a में पाए गए कथन के लिए कारण प्रदान करती है। लंबे समय से प्रतीक्षित मेशियाक का जन्म हो गया है। यह उद्धारकर्ता भी प्रभु है। यद्यपि मसीहा और प्रभु की उपाधियों के अधिकार की प्राप्ति के लिए पुनरुत्थान तक प्रतीक्षा करनी होगी, वास्तव में, वह पहले से ही मसीहा और प्रभु थे। जैसा कि पतरस ने कहा: इसलिथे सारे इस्राएल इस बात के लिथे निश्चय हो जाएं कि परमेश्वर ने इसी यीशु को जिसे तुम ने क्रूस पर चढ़ाया, मसीह भी ठहराया, और प्रभु भी (प्रेरितों के काम २:३६)।

जब पतरस ने शावोत के पर्व पर प्रचार किया, तो उसने पुष्टि की कि यह भविष्यवाणी पूरी हुई थी (प्रेरितों के काम २:३६ और १०:३६)। संदेश सरल और सीधा था: डरो मत, एक उद्धारकर्ता का जन्म हुआ है और वह मसीहा है। यह अच्छी खबर (सुसमचार) थी! यह अच्छी खबर (सुसमचार) से बेहतर था। यह लंबे समय से प्रतीक्षित समाचार था। यह वह चीज थी जिसकी बहुत समय पहले परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की थी। यह उसका आगमन था जो एक संसार के लोगों को बचाएगा।

उन्हें दो संकेत दिए गए। पहला चिन्ह यह था कि चरवाहों को एक बच्चा कपड़े में लिपटा हुआ मिलेगा (लूका २:१२a)। यह बच्चों का कपड़ा नहीं हो सकता क्योंकि वह कोई चिन्ह नहीं होगा। यहाँ कपड़े का अर्थ दफन कपड़े से है। बच्चे जीसस को दफन कपड़े में लपेटा गया था। यहूदा के पहाड़ी देश के पहाड़ और पहाड़ियाँ न केवल जानवरों के

Ar – चरवाहे और स्वर्ग दूत लुका २:८-२० | 4

आवास के लिए उपयोग की जाने वाली गुफाएँ थीं, बल्कि गुफाओं का उपयोग कब्रों के रूप में भी किया जाता था। अक्सर इन्हें आपस में मिलाया जाता था। जानवरों को शरण देने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली गुफाओं में दफन कपड़े के भंडारण के लिए इस्तेमाल की जाने वाली गुफाएँ भी होंगी। चूँकि मसीहा एक गुफा में पैदा हुआ था, यूसुफ और मरियम को उसका उपयोग करना था जो उनके लिए उपलब्ध था। इसलिए, अपने जीवन के पहले दिन यीशु को उसी प्रकार के कपड़े से लपेटा गया था जिससे वह अपने जीवन के अंतिम दिन में लपेटा जाएगा (देखें यूहन्ना २०:७)। प्रतीकवाद को नहीं छोड़ना चाहिए। यहाँ जो हो रहा है वह स्पष्ट कारण है कि उनका जन्म क्यों हुआ। वह है । . . वह मरने के लिए पैदा हुआ था।

और दूसरा चिन्ह यह होगा कि बच्चा चरनी में लेटा होगा (लूका २:१२b)। इसने चरवाहों से कहा कि वे एक गुफा में बच्चे की तलाश करें। उन दिनों अस्तबल अलग-अलग भवन नहीं थे जैसे आज किसान हैं, बल्कि गुफाएँ थीं। फिर से, डॉक्टर ल्यूक ने मसीह की मानवता पर बल दिया। वह इस दुनिया में एक इंसान के रूप में आए। वह हमारी दुर्बलता की भावना से द्रवित है। वह हमारे बारे में जानता है। वह हमें समझता है क्योंकि उद्धारकर्ता इस संसार में मनुष्य के रूप में आया था। इसका अर्थ यह भी है कि हम परमेश्वर के बारे में कुछ जान सकते हैं, क्योंकि उन्होंने हमारी मानवता को अपने ऊपर ले लिया। यह हम सभी के लिए एक सांत्वनादायक विचार होना चाहिए।

चरवाहों को उन दो चिह्नों की घोषणा करने के बाद, जिनके द्वारा वे मसीहा को खोजने में सक्षम होंगे, अचानक स्वर्गदूतों की एक बड़ी कंपनी भगवान की स्तुति करते हुए भगवान की स्तुति करते हुए दिखाई दी और एक दो पंक्ति का भजन गाना शुरू किया: पहली पंक्ति भगवान के लिए है, गायन: उच्चतम में भगवान की जय। और दूसरी पंक्ति मानवता के लिए है: भली इच्छा रखने वाले लोगों के लिए पृथ्वी पर शांति (लूका २:१३-१४)। ये वे लोग हैं जिन पर परमेश्वर की इच्छा प्रसन्न होती है और जो यहोवा की इच्छा को चाहते हैं। यह ल्यूक में मरियम १:४६-६६, जकर्याह १:६८-७९ द्वारा रिकॉर्ड किए गए चार गीतों में से तीसरा है, यहाँ स्वर्गदूतों २:१४, और शिमोन २:२९-३२ के एक गायक द्वारा।

जब स्वर्गदूत उन्हें छोड़कर स्वर्ग में लौट आए, तो चरवाहों ने एक दूसरे से बार-बार कहा: तुमने क्या देखा? क्या तुमने सुना जो मैंने सुना? क्या यह सच है कि मसीहा मानव जाति को बचाने आया है? एक छोटी सी चर्चा के बाद, उन्होंने संदेश पर विश्वास किया और एक दूसरे से कहा: आओ, हम बेतलेहेम चलें और यह वचन देखें, जो हुआ है, जिसके विषय में यहोवा ने हम से कहा है (लूका २:१५)। यह बहुत कुछ वैसा ही था जैसा मरियम ने इलीशिबा का संदेश सुनने के बाद किया था। इस तरह का रवैया उन धार्मिक अगुवों के विपरीत है जो जानते थे कि बच्चे का जन्म कहाँ होना है (मत्ती २:५-६), लेकिन खुद इसकी पुष्टि करने के लिए समय या प्रयास नहीं किया।

हमेशा की तरह, संकट के समय में, चरवाहों ने अपनी संख्या में से कुछ को भेड़ों की

Ar – चरवाहे और स्वर्ग दूत लुका २:८-२० | 5

रखवाली के लिए सौंप दिया। इसलिए बाकी लोग जल्दी से चले गए और वे अंधेरी, घास वाली घाटी और पहाड़ियों के किनारों पर चले गए, वे चढ़ गए, उन्होंने बात की और उन्हें आश्चर्य हुआ। क्या यह सच में हो सकता है? इसका कारण यह है कि पुराने चरवाहों का मानना था कि यह कोई धोखा नहीं था। यहूदी टोरा, नबियों और लेखों के छात्र थे। चूँकि कोई सामान्य पुस्तकें नहीं थीं, इसलिए उन्होंने भगवान के बारे में अपनी सभी शिक्षाएँ याद कर लीं। उसने एक उद्धारकर्ता की प्रतिज्ञा की थी जो दाऊद के घराने के द्वारा आएगा, बेतलेहेम में जन्म लेगा (मीका ५:२)। संभावना से अधिक, जिस बात ने सभी चरवाहों को सबसे अधिक चकित किया वह यह थी कि मसीहा का जन्म इतना विनम्र था। वे परमेश्वर के पुत्र के चरनी में पड़े होने की कल्पना नहीं कर सकते थे।

क्या बुजुर्गों ने नहीं कहा था कि जब उद्धारकर्ता पृथ्वी पर आया था, तो वह एक बड़े सफेद बादल पर सवार होगा, जो कि राजशाही में बैठा होगा, चारों ओर स्वर्गदूतों के यजमानों के तुरही और गीत सुन रहा होगा छ उसका सिंहासन जब उसने स्वर्ग और पृथ्वी पर शासन किया? आज रात, स्वर्गदूतों को एक बाद का विचार लग रहा था। यह ऐसा था मानो उनका जन्म इतना महत्वहीन, इतना विनम्र था कि स्वर्गदूतों को स्वर्ग से नीचे आना पड़ा ताकि कुछ एकाकी चरवाहों को एक गुफा में जाकर उनकी पूजा करने के लिए बुलाया जा सके। क्या वह कम से कम हेरोदेस राजा के महान महल में पैदा नहीं हो सकता था? एक चरनी, परी ने कहा। वे शब्द समझ गए। इसका मतलब एक प्रकार का गर्त था जिसमें से जानवर अनाज खाते थे। इसमें पुराने जई और जौ की मीठी गंध होगी, और साइड को चबाया और चबाया जाएगा। एक नमक चाट तली में पड़ी होगी।

चरवाहे बेत-लेकेम के तीर्थयात्रियों के बीच चले गए, यह पूछते हुए कि मसीहा कहाँ मिल सकता है। अधिकांश मौन में उनसे दूर हो गए। कुछ ने पूछा, “क्या मसीहा?” चरवाहों ने शायद पूछताछ की कि क्या किसी ने कोणों को देखा है। “क्या देवदूत?” कभी-कभी यात्री बदतमीजी से पूछते थे कि क्या वे नशे में हैं। चरवाहों के लिए दुर्व्यवहार कोई नई बात नहीं थी। वे इसे पहले से जानते थे। धैर्यपूर्वक, वे अपनी खोज में लगे रहे, इधर-उधर पूछते रहे और अंत में अपने प्रश्नों को इस तक सीमित करते गए: हमें इस शहर में एक नवजात शिशु कहाँ मिल सकता है? किसी ने शायद उन्हें सराय में कोशिश करने के लिए कहा था। सबसे अधिक संभावना है कि एक लंबे दिन के बाद थके हुए सराय के मालिक को सराय के पीछे गुफा का उपयोग करते हुए युवक और गर्भवती पत्नी की याद आई।

चरवाहे डरते-डरते गुफा के पास पहुंचे। वे फुसफुसाते हुए, अपनी सैंडल में रास्ते से नीचे चले गए। ज्यों ही वे ज्योतिर्मय द्वार के पास पहुंचे, यूसुफ ने उन्हें आते देखा। उसने उनका ध्यानपूर्वक अध्ययन किया, और अगुवे ने उससे कहा कि उन्होंने घाटी में स्वर्गदूतों को देखा है, और एक ने कहा था कि उस रात दाऊद के नगर में मसीह का जन्म हुआ था। वे थे । . . अगर यह बहुत जल्दी नहीं होता। . . उसकी पूजा करने आओ।

Ar – चरवाहे और स्वर्ग दूत लुका २:८-२० | 6

अपने सिरों से टोपी नीचे किए हुए अंदर आ रहे थे, उनके लंबे बाल उनके कंधों पर गिरे हुए थे, और उनकी दाढ़ी कोमल प्रार्थनाओं से काँप रही थी। तेल के दीपक की झिलमिलाती पीली रोशनी में, उन्होंने युवा माँ को, शायद तेरह के आसपास, पुआल पर बैठे देखा। वह एक बूढ़ी चरनी की ओर देख रही थी। अपने घुटनों से, वे भी सीधे उठे और किनारे पर झाँकने लगे। वहाँ वह दफन कपड़े की पट्टियों में कस कर लिपटा हुआ था।

परिवार के कमरे में दृश्य (देखें Aq- येशु का जन्म), जानवरों के शरीर और सांसों से गर्म, चरवाहों के लिए, उनके दिलों के करीब था, जैसे कि मेशियाच तुरही वाले स्वर्गदूतों के साथ एक बड़े बादल पर आए थे। वे बच्चों को समझते थे, और वे जानवरों को समझते थे और वे खुश थे कि परमेश्पृवर थ्वी पर आने के लिए पहाड़ियों में अपने स्वयं के घरों की तुलना में थोड़ा कम योग्य होगा।

इसलिए, चरवाहों ने मरियम और यूसुफ को, और उस बच्चे को पाया, जो स्वर्गदूत की भविष्यवाणी के अनुसार चरनी में पड़ा था (लूका २:१६)। तो यह चरवाहे थे, न कि ज्योतिषी, जिन्होंने पहले चरनी में लेटे हुए शिशु यीशु की पूजा की। वे आश्चर्य और प्रसन्नता के बीच फँस गए होंगे। छोटा बच्चा यहोवा, और परमेश्वर का पुत्र था, परन्तु वह एक असहाय, प्यारा शिशु भी था। उनके दिल निश्चित रूप से खुशी से भर गए और उनकी मुस्कान शायद मिट गई जब उन्हें याद आया कि वे राजाओं के राजा की उपस्थिति में हैं। वे इतने दरिद्र और दीन थे कि उनके फटे-पुराने कोट उनकी जुबान से भी ज्यादा शान से बोलते थे। उन्होंने पूरे और कृतज्ञ हृदय से राजा की पूजा की।

जब चरवाहों ने उसे देखा, तो उस बालक के विषय में जो कुछ उन से कहा गया या, उस का समाचार फैला दिया (लूका २:१७)। चरवाहों ने वही किया जो स्वर्गदूतों ने शुरू किया था। और सब सुनने वाले गड़ेरियों की बात से चकित हुए (लूका २:१८)। अचंभित के लिए ग्रीक शब्द का व्यापक अर्थ विस्मय की भावना है जो असामान्य या रहस्यमय है। जो यात्री जनगणना के लिए आए थे, उन्होंने जो देखा और सुना, उससे चकित रह गए। जैसा कि उन्होंने मंदिर के प्रांगण में अपने बलिदानों का चयन किया, वे कितने उत्सुक, कितने उत्सुक हो सकते हैं कि चर्चा करने के लिए, आश्चर्य करने के लिए, हाँ, शायद शिशु मसीहा के चरनी में लेटे होने की खबर का उपहास करने के लिए भी। फिर भी, धर्मी और भक्त शिमोन का हृदय इस उम्मीद में कितना आनंदित होगा कि उसके जीवन की आशाएँ और प्रार्थनाएँ निकट थीं; और कैसे बहुत पुरानी भविष्यवक्ता अन्ना, जिसने मंदिर परिसर को नहीं छोड़ा था, लेकिन इज़राइल के छुटकारे के लिए प्रतिदिन प्रार्थना की थी, उस क्षण से बच्चे येशु की तलाश कर रही होगी (देखें Au – यीशु मंदिर में प्रस्तुत)।

इन सब बातों का मैरी पर गहरा प्रभाव पड़ा। उसने ये सब बातें अपने मन में रखीं और उन पर मनन किया (लूका २:१९)। क़ीमती के लिए ग्रीक शब्द का अर्थ है किसी चीज़ की रक्षा करना, संरक्षित करना, पहरा देना या उस पर नज़र रखना। मरियम अपने साथ जो कुछ भी हुआ उसके निहितार्थों को पूरी तरह से नहीं समझ पाई। जब यह कहती है कि उसने

Ar – चरवाहे और स्वर्ग दूत लुका २:८-२० | 7

विचार किया, तो यह किसी ऐसे व्यक्ति का वर्णन करती है जो जो सुना है उससे हैरान है, लेकिन समझने के लिए इसे ध्यान में रखता है। एक पहेली जैसी किसी चीज़ के विपरीत नहीं, उसने उन पर विचार किया या उन पर ध्यान लगाया, तुलना के लिए उन्हें एक साथ रखा। सब कुछ जो उसके साथ हुआ था: स्वर्गदूत गेब्रियल द्वारा की गई घोषणा, जो संकट यूसुफ के कारण हुआ, जनगणना का समय, एक गुफा में मसीहा का जन्म, और युद्ध चरवाहों का जहाज उसके दिमाग में चारों ओर तैर रहा था, उसे किसी प्रकार के क्रम में व्यवस्थित करने के लिए उसे चुनौती दे रहा था। १२३ साल बाद वह उन्हें डॉक्टर लुका के सुसमाचार के लिए प्रकट करेगी।

ठीक समय पर, गड़ेरिये सब कुछ सुनने और देखने के कारण परमेश्वर की महिमा और स्तुति करते हुए अपने झुण्ड में लौट आए। उन्होंने अपने आप से कहा, यह कोई दुर्घटना नहीं थी, कि जो कुछ उन्हें स्वर्गदूतों ने बताया था और जो कुछ उन्होंने अपनी आंखों से देखा था, उससे उन्हें विश्वास हो गया कि यीशु हा-मशीआख वास्तव में पैदा हुआ था (लूका २:२०)। तदनुसार, यदि कोई कह सकता है कि उसका जन्म स्थान जानवरों के लिए छोटा, विनम्र स्थान था, तो कोई यह भी कह सकता है कि उसके प्रथम उपासक, पास के खेतों में रहने वाले चरवाहे, मनुष्यों में सबसे अधिक विनम्र और तिरस्कृत थे।